भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 3350
गुरुवार, 20 मार्च, 2025/29 फाल्गुन,1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

हिंडन विमानपत्तन से उड़ान सुविधा

3350. श्री मनोज तिवारी:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का हिंडन विमानपत्तन (गाजियाबाद) से गोरखपुर विमानपत्तन के लिए सीधी विमान सेवा शुरू करने का विचार है;
(ख) यदि हां, तो इस बात को ध्यान में रखते हुए कि इस क्षेत्र के अधिकांश निवासी उक्त क्षेत्र के हैं, ऐसी सेवाएं शुरू करने के लिए निर्धारित समय-सीमा सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या उड़ान/किसी अन्य योजना के अंतर्गत किन्हीं एयरलाइनों ने इस मार्ग पर प्रचालन करने में रुचि दिखाई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) हिंडन विमानपत्तन से क्षेत्रीय हवाई संपर्क बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (घ): मार्च 1994 में वायु निगम अधिनियम के निरस्त होने के साथ, भारतीय घरेलू विमानन क्षेत्र को पूर्ण रूप से नियंत्रणमुक्त कर दिया गया है। अतः यह एयरलाइनों पर निर्भर है कि वे इस संबंध में मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुपालन के अध्यधीन यातायात की मांग और वाणिज्यिक व्यवहार्यता के आधार पर विशिष्ट स्थानों पर हवाई सेवाएं प्रदान कर सकती हैं। एयरलाइनें बाजार की मांग, वाणिज्यिक व्यवहार्यता और अपनी कंपनी की नीति के आधार पर किसी विशिष्ट मार्ग/शहर पर अपनी घरेलू उड़ान अनुसूची की योजना बनाती हैं।

हिंडन हवाईअड्डा वर्तमान में बैंगलोर, मुंबई, कोलकाता, गोवा, आदमपुर, किशनगढ़, नांदेड़, बठिंडा और लुधियाना से जुड़ा हुआ है।

क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस)-उड़ान का उद्देश्य देश में असेवित और अल्पसेवित हवाईअड्डों को संपर्क प्रदान करना है। उड़ान योजना के मौजूदा प्रावधान के तहत हिंडन हवाईअड्डा सेवित हवाईअड्डा है।

******